सत्यन गणशेखरन ने जीता विएंतियाने खिताब

भारतीय स्टार ने जापान के रयोइची योशियामा को 3-0 से हराया

विएंतियाने (लाओस) 16 अगस्त (वार्ता) भारत के सत्यन गणशेखरन ने डब्ल्यूटेटे फीडर विएंतियाने 2025 टेबल टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराकर पुरुष एकल खिताब जीता।

लाओस के आईटीईसीसी मॉल में शुक्रवार को खेले गये फाइनल मुकाबले में विश्व रैंकिंग में 99वें स्थान पर काबिज भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी ने फाइनल में जापान के विश्व नंबर 95 रयोइची योशियामा को 3-0 (11-4, 11-6, 12-10) से हराया। यह मुकाबला सिर्फ 25 मिनट तक चला।

टूर्नामेंट की शुरुआत में दूसरे वरीयता प्राप्त जी. सत्यन ने पहले राउंड में लाओस के वाइल्डकार्ड खिलाड़ी अनाने वोंगसा को 3-0 (11-5, 11-4, 11-7) से हराया। इसके बाद उन्होंने सिंगापुर के ली एल्सवर्थ को 3-1 (3-11, 11-2, 11-7, 11-7) और हमवतन अक्ष पॉल को कड़े मुकाबले में 3-2 (11-9, 11-4, 4-11, 10-12, 11-8) से हराकर सेमीफाइनल में जगह

▸ 25 मिनट में मुकाबला कर दिया खत्म

बनाई। सेमीफाइनल में सत्यन ने हांगकांग के क्वान टो यिउ को 3-0 (11-3, 11-5, 12-10) से मात दी। यह सत्यन का पिछले साल डब्ल्यूटेटे फीडर बेरूत में मानव ठक्कर को हराने के बाद पहला एकल खिताब है। पिछले महीने सत्यन ने अक्ष पॉल के साथ मिलकर डब्ल्यूटेटे कंटेंडर लागोस में पुरुष युगल खिताब भी जीता था।

सत्यन ने इस टूर्नामेंट में अनिर्बाण घोष के साथ पुरुष युगल में भी हिस्सा लिया। चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने प्री-क्वार्टरफाइनल में हांगकांग के यिक मैन पाउ और चुन कित चोय को 3-2 (14-12, 10-21, 11-5, 6-11, 11-6) से हराया। क्वार्टरफाइनल में उन्होंने सऊदी अरब के ओलंपियन अली अलखद्रावी और अब्दुलअजीज बु शुलैबी को 3-2 (8-11, 11-9, 11-5, 8-11, 11-7) से मात दी। वहीं सेमीफाइनल में उन्हें हांगकांग के मैन हो क्वान और हॉन मिंग ली से 3-1 (11-9, 11-6, 2-11, 11-8) से हार का सामना करना पड़ा।

चोटिल साई किशोर बुची बाबू से बाहर

दलीप ट्रॉफी से पहले फिट होने की उम्मीद

चेन्नई, 16 अगस्त (वार्ता) तमिलनाडु के कप्तान आर साई किशोर चोट के कारण प्री-सीजन बुची बाबू टूर्नामेंट में नहीं खेल पाएंगे, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि वह 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होने वाली दलीप ट्रॉफी तक ठीक हो जाएंगे।

ऐसा माना जा रहा है कि साई किशोर को पिछले रविवार को चेन्नई के गुरु नानक कॉलेज मैदान पर प्रथम श्रेणी क्लब मैच के दौरान एम शाहरुख खान की गेंद को रोकने के दौरान हाथ में चोट लग गई थी।

28 वर्षीय साई किशोर साउथ जोन की टीम का हिस्सा हैं जो 4 सितंबर को बेंगलुरु में बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपना अभियान शुरू

तमिलनाडु कप्तान की अनुपस्थिति से स्पिन विभाग कमजोर

प्रदोष रंजन पॉल टीएनसीए अध्यक्ष एकादश के नए कप्तान

करेगी। साई किशोर की अनुपस्थिति में, प्रदोष रंजन पॉल बुची बाबू टूर्नामेंट में टीएनसीए अध्यक्ष एकादश के कप्तान होंगे, जबकि सी आंद्रे सिद्धार्थ उनके उप-कप्तान होंगे। पॉल को पहले टीएनसीए एकादश का कप्तान बनाया गया था, लेकिन अब फेरबदल के बाद शाहरुख उस टीम की कमान संभालेंगे।

साई किशोर की चोट ने घरेलू सीजन की तैयारी में तमिलनाडु के स्पिन स्टॉक को कमजोर कर दिया है। 2023-24 के रणजी सीजन में तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज उनके साथी बाएं हाथ के स्पिनर एस अजित राम भी चोटिल हैं, जबकि एम सिद्धार्थ को निजी व्यस्तताओं के कारण टीएनसीए अध्यक्ष एकादश से टीएनसीए एकादश में स्थानांतरित कर दिया गया है। साई किशोर ने चेन्नई लौटने से पहले सरे के लिए काउंटी क्रिकेट और अपनी क्लब टीम के लिए एक मैच खेलकर लाल गेंद के घरेलू सत्र के लिए खुद को तैयार किया था। पिछले महीने, उन्होंने सरे के लिए दो मैचों में 11 विकेट लिए,

मल्टी-डे टूर्नामेंट में इंजरी रिप्लेसमेंट

नई दिल्ली 16 अगस्त. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने आगामी घरेलू सीजन से मल्टी-डे टूर्नामेंट के लिए खेलने की शर्तों में एक बड़ा बदलाव करते हुए गंभीर चोट रिप्लेसमेंट की अनुमति दे दी है। यह फैसला हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में ऋषभ पंत की चोट के बाद आया है, जब विकेटकीपर-बल्लेबाज को पैर में फ्रैक्चर के बावजूद बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरना पड़ा था। यह नियम, जो आईसीसी द्वारा अभी तक लागू नहीं किया गया है, बीसीसीआई ने 2025-26 सीज़न के लिए मल्टी-डे क्रिकेट की खेलने की शर्तों में एक नई श्रेणी के तहत पेश किया है।

सेल्स के शतक से नॉर्थेंप्टनशायर की पहली जीत

चहल ने 6 ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट झटके

लंदन, 16 अगस्त (वार्ता) जेम्स सेल्स की 110 गेंद में 117 रनों की खूबसूरत पारी और युजवेंद्र चहल के 30 रन पर तीन विकेट की बदौलत नॉर्थेंप्टनशायर ने डरहम को वनडे कप में ध्वस्त करके चार मैचों में अपनी पहली जीत दर्ज की।

नॉर्थेंप्टनशायर ने सेल्स के शतक की बदौलत आठ विकेट पर 321 रन खड़े किए और सफलतापूर्वक स्कोर का बचाव कर लिया। डरहम की यह पांच मैचों में तीसरी हार है, जिससे उनके नॉकआउट क्वालीफिकेशन में शीर्ष तीन में जगह बनाने के सपने को

जेम्स सेल्स ने 117 रनों की शानदार पारी खेली

नॉर्थेंप्टनशायर ने बनाए 321 रन आठ विकेट पर

डरहम की टीम 32 ओवर में 171 पर ढेर हुई

धक्का लगा है। पहले बल्लेबाजी करते हुए नॉर्थेंप्टनशायर की ओर से सेल्स ने शतक लगाया और उनका साथ न्यूजीलैंड के टिम रॉबिंसन ने दिया, जिन्होंने 69 गेंद में 63 रन बनाए, जबकि जस्टिन ब्रॉड ने 45 गेंद में 59 रन बनाए। डरहम ने इसके बाद जल्दी विकेट गंवाए और कभी वापसी नहीं कर पाई। वे 32 ओवरों के अंदर 171 रनों पर ढेर हो गए। भारत के युजवेंद्र चहल ने छह ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट लिए।

डरहम ने अपने विकेटकीपर बल्लेबाज ओली रॉबिंसन को मिस किया क्योंकि वह पारिवारिक कारणों से यह मैच नहीं खेले।

डेविड बेडिंगम जब 30 रन पर थे तो वह ब्रॉड की पांचवीं गेंद पर मिडऑफ पर लपके गए और इसी के साथ उन्होंने 15 ओवर में अपने 78 रनों पर अपने पांच बल्लेबाजों को गंवा दिया।

एक नजर में

59 सदस्यीय भारतीय दल चीन पहुंचा

नयी दिल्ली. 59 सदस्यीय भारतीय दल 15-30 अगस्त, 2025 तक आयोजित होने वाले तीसरे %बेल्ट एंड रोड% अंतर्राष्ट्रीय युवा मुक्केबाजी समारोह - अंडर-17/अंडर-19/अंडर-23 अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर और टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए उरुमकी, झिंजियांग, चीन पहुंच गया है। इस दल में 20 लड़के और 20 लडकियां शामिल हैं, जिन्हें 12 प्रशिक्षकों, 6 सहायक कर्मचारियों और 1 रेफरी एवं जज (आर एंड जे) का सहयोग प्राप्त है। चीनी मुक्केबाजी महासंघ और झिंजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र सरकार द्वारा आयोजित इस आयोजन की शुरुआत 17 से 25 अगस्त तक उरुमकी में एक प्रशिक्षण शिविर से होगी, जिसके बाद 26 से 29 अगस्त तक उरुमकी और यिली में प्रतियोगिता चरण होगा। इस संस्करण में केवल अंडर-17 लड़के और लडकियां ही भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मुक्केबाजों का चयन छठी अंडर-17 जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 से किया गया है, जिसमें एशियाई युवा खेलों के भार वर्गों में स्वर्ण और रजत पदक विजेता और गैर-एशियाई युवा खेलों के भार वर्गों में स्वर्ण पदक विजेता शामिल हैं। मुक्केबाज कई वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे। अंडर-17 बालक और बालिका वर्ग 13 भार वर्गों में प्रतिस्पर्धा करेंगे - 46 किग्रा, 48 किग्रा, 50 किग्रा, 52 किग्रा, 54 किग्रा, 57 किग्रा, 60 किग्रा, 63 किग्रा, 66 किग्रा, 70 किग्रा, 75 किग्रा, 80 किग्रा, +80 किग्रा।

अदिति अशोक पोर्टलैंड क्लासिक कट में

पोर्टलैंड. भारतीय गोल्फर अदिति अशोक ने एलपीजीए टूर पर स्टैंडर्ड पोर्टलैंड क्लासिक में दूसरे दौर में दो अंडर 70 के स्कोर के साथ कट में प्रवेश कर लिया ।अदिति ने पांच बर्डी लगाये और तीन बोगी किये ।वह अब संयुक्त 27वें स्थान पर है ।भारतीय मूल की अमेरिकी गुरलीन कौर संयुक्त दूसरे स्थान पर है जबकि भारतीय मूल की कनाडा की गोल्फर सावन्नाह ग्रेवाल संयुक्त 11वें स्थान पर है ।कोरिया की जियोंगियुन ली ने छह अंडर 67 के स्कोर के साथ बढत बना ली ।

तान्या हेमंत ने साइपन इंटरनेशनल बैडमिंटन जीता

21 वर्षीय शटलर ने रचा इतिहास, जापानी प्रतिद्वंद्वी को हरा जीता चौथा अंतरराष्ट्रीय खिताब

साइपन (उत्तरी मारियाना द्वीप समूह), 16 अगस्त (वार्ता) भारतीय शटलर तान्या हेमंत ने शनिवार को साइपन

फाइनल में जापान की कानाए सकाई पर जीत

सेमीफाइनल में हिरामोटो को कड़े मुकाबले में हराया

इंटरनेशनल 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीत लिया।

आज उत्तरी मारियाना द्वीप समूह के ओलेई स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले गये मुकाबले में बैडमिंटन रैंकिंग में 86वें स्थान पर और टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त 21 वर्षीय तान्या हेमंत ने फाइनल में गैर-वरीयता प्राप्त जापान की कानाए सकाई को 15-10, 15-8 से हराया। यह तान्या हेमंत का चौथा अंतरराष्ट्रीय सीरीज खिताब था। उन्होंने इंडिया इंटरनेशनल 2022 टूर्नामेंट, 2023 में ईरान फज्र इंटरनेशनल और 2024 में बेंडिगो इंटरनेशनल जीता। वह पिछले साल अजरबैजान इंटरनेशनल के फाइनल में भी पहुंची थीं, लेकिन हमवतन मालविका बंसोड़ से हार गईं। इससे पहले, साइपन इंटरनेशनल 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में तान्या हेमंत ने सेमीफाइनल में जापान की रिरीना हिरामोटो को 15-10, 12-15, 15-8 से हराया था.

अक्षय भाटिया टूर चैम्पियनशिप की राह पर

ओविंग्स मिल्स (अमेरिका), 16 अगस्त. भारतीय मूल के अमेरिकी गोल्फर अक्षय भाटिया ने टूर चैम्पियनशिप के लिये क्वालीफाई करने की ओर कदम बढा दिया और वह बीएमडब्ल्यू चैम्पियनशिप में संयुक्त 46वें से संयुक्त 37वें स्थान पर आ गए हैं ।भाटिया का कुल स्कोर चार ओवर (75 और 69) है ।टूर चैम्पियनशिप के लिये शीर्ष 30 खिलाड़ी ही क्वालीफाई करते हैं ।स्कॉटलैंड के रॉबर्ट मैकलिंटायर छह अंडर 64 और आठ अंडर 62 के स्कोर के साथ शीर्ष पर हैं । उनसे पांच शॉट पीछे स्कॉटी शेफलेर हैं ।

एनएसडब्ल्यू बेगा फाइनल में अनाहत

चोटिल होने के बावजूद दिखाया दमदार खेल

बेगा (आस्ट्रेलिया), 16 अगस्त. भारत की युवा स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने मिस्र की नूर काफागी को कड़े मुकाबले में हराकर एनएसडब्ल्यू बेगा ओपन 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया ।

मिस्र की नूर काफागी पर 3-2 से जीत दर्ज की

एशियाई खेलों की दोहरी कांस्य पदक विजेता 17 वर्ष की अनाहत ने सेमीफाइनल में 3 . 2 (10 . 12, 11 . 5, 11 . 5, 10 . 12, 11 . 7) से जीत दर्ज की ।

पीएसए कूपर फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय अनाहत का सामना अब मिस्र की हबीबा रानी से होगा जिन्होंने पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत की आकांक्षा सालुंके को 3 . 1 (11 .9, 7 . 11, 12 . 10, 11 . 6) से हराया ।अनाहत को मैच के दौरान चोट

भी लगी लेकिन वह खेलती रही । उन्होंने क्वार्टर फाइनल में दक्षिण अफ्रीका की हेली वार्ड को 3 . 0 से हराया था ।

सेमीफाइनल में अल्काराज़

अंतिम चार में ज्वेरेव से होगा मुकाबला

सिनसिनाटी, 16 अगस्त.विश्व नंबर दो कार्लोस अल्काराज़ ने शुक्रवार को एटीपी-डब्ल्यूटीए सिनसिनाटी ओपन के क्वार्टर फाइनल में एंड्री रुबलेव से कड़े मुकाबले में पार पाते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली है। स्पेन के अल्काराज़ ने एक तनावपूर्ण मुकाबले के अंतिम गेम में रुबलेव की सर्विस तोड़ी और 6-3, 4-6, 7-5 से जीत हासिल की।

सेमीफाइनल में अल्काराज़ का सामना तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा। जर्मनी के ज्वेरेव ने पांचवीं वरीयता प्राप्त टोरंटो चैंपियन बेन शेल्टन की विजयी दौड़ को 6-2, 6-2 से समाप्त कर दिया। हालांकि ज्वेरेव ने मैच के दौरान चक्कर आने और सांस फूलने की शिकायत की, लेकिन उन्होंने 76 मिनट के मुकाबले में शेल्टन की 27 बेजा गलतियों का फायदा उठाया।

अल्काराज़ रुबलेव के खिलाफ निर्णायक सेट में 5-4 पर मैच के लिए सर्विस कर रहे थे,

> मैच के बाद अल्काराज़ ने कहा, 卐मैंने सकारात्मक विचार बनाए रखे, भले ही दूसरे सेट में मेरा ध्यान थोड़ा भटक गया। एंड्री जैसे खिलाड़ी के खिलाफ, अगर आप ध्यान भटकते हैं, तो इसकी कीमत आपको सेट - या मैच - से चुकानी पड़ सकती है। तीसरे सेट में, मैं पहली सर्विस नहीं मार पा रहा था, मेरा ध्यान भटक गया, और उसने सर्विस तोड़ दी। (वापसी करना) मुझे सबसे ज्यादा गर्व है। मुझे उस पल को स्वीकार करना पड़ा, लेकिन मुझे वह पसंद है - इस सारी (भीड़ की) ऊर्जा के साथ चरम स्थितियों में खेलना।

तभी उनकी सर्विस टूट गई, लेकिन उन्होंने अपना ध्यान केंद्रित किया और तीन गेम बाद अपनी पहचान वाली दृढ़ता के साथ जीत हासिल की। एक भावुक रुबलेव ने मैच पॉइंट पर अपनी आठवीं डबल-फॉल्ट की, जिससे अल्काराज़ की जीत सुनिश्चित हुई।

एशिया कप-2025 ▸ **भारतीय क्रिकेट टीम में ऑलराउंडरों की जंग**

जडेजा के बाद पांड्या, दुबे, रेड्डी, सुंदर और अक्षर में मुकाबला

नयी दिल्ली, 16 अगस्त (वार्ता) एशिया कप 2025 आने को है और टी20 क्रिकेट ऑलराउंडरों का खेल कहा जाता है। कहते हैं टीम में जितने ऑलराउंडर होंगे, वह टीम बेहतर से बेहतरीन बन जाएगी। रवींद्र जडेजा के टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद हार्दिक पांड्या टीम के प्रमुख ऑलराउंडर की भूमिका में हैं, लेकिन अन्य ऑलराउंडरों की भी उपस्थिति है, जिन्होंने आईपीएल में बेहतरीन प्रदर्शन करके अपना दावा तो मजबूत किया है।

हार्दिक पांड्या

हार्दिक टेस्ट टीम का जरूर हिस्सा नहीं हैं, लेकिन उन्होंने वनडे और टी20 में खुद को साबित करके दिखाया है। वह लगातार इन दोनों ही प्रारूपों में खेल रहे हैं। टी20 विश्व कप का खिताब जिताने में उन्होंने फाइनल में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में वह ऑलराउंडरों में पहली पसंद के खिलाड़ी होंगे। हार्दिक टीम संतुलन में एक अहम भूमिका निभाते आए हैं। उनकी हार्ड हीटिंग लेंथ बल्लेबाजों को हमेशा परेशान करती दिखी है।

नीतीश कुमार रेड्डी

नीतीश कुमार रेड्डी की बात करें तो उन्होंने पिछले दो सीजन में ही खेलकर भारतीय टीम में एक अहम स्थान स्थापित कर लिया है। ऑस्ट्रेलिया में अपने पहले विदेशी दौरे पर उन्होंने टेस्ट में शतक लगाकर दिखाया। पिछला आईपीएल सीजन हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। उन्होंने 13 मैचों में 182 रन ही बनाए, जहां पर उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 32 रन था, जबकि गेंदबाजी में भी उन्होंने 13 मैचों में केवल दो ही विकेट लिए। रेड्डी की आक्रामक बल्लेबाजी भारतीय टीम को निचले मध्य क्रम में अहम योगदान दिला सकती है, लेकिन देखना होगा कि टेस्ट की तरह चयनकर्ता उन पर भरोसा करते हैं या नहीं।

शिवम दुबे

शिवम दुबे जब से चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में आए थे तो उन्होंने टीम इंडिया में वापसी भी करके दिखाई। आईपीएल में उनको इस बार गेंदबाजी में हाथ आजमाने के अधिक मौके नहीं मिले। उनका टीम में आना स्वाभाविक है, क्योंकि पिछली टी20 सीरीज में वह टीम का हिस्सा रहे हैं, लेकिन क्या उनको रेड्डी के ऊपर तरजीह दी जाएगी, यह देखना होगा।

वॉशिंगटन सुंदर

रविचंद्रन अश्विन के जाने के बाद वॉशिंगटन सुंदर को उनके विकल्प के तौर पर देखा जाता रहा है। वह टीम में रहेंगे या नहीं यह कहना मुश्किल है, लेकिन अगर टीम ऑलराउंडरों के साथ जाती है तो फरि उनकी जगह बन सकती है। वैसे भी हाल में इंग्लैंड दौरे पर उनका प्रदर्शन शानदार रहा था। वॉशिंगटन को हालांकि गुजरात टाइटंस के लिए इस सीजन अधिक मैच नहीं मिले थे। गेंदबाजी में उन्होंने छह मैचों में केवल दो ही विकेट लिए और बल्लेबाजी में छह मैचों में 149 रन ही बना पाए, जहां पर नाबाद 49 रन उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

अक्षर पटेल

अक्षर पटेल की बात करें तो जडेजा के संन्यास लेने के बाद और दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान बनने के बाद से अक्षर एक ऐसे खिलाड़ी हैं जो किसी भी टीम में जगह बना लेंगे। अक्षर ने हाल के सालों में निरंतरता के साथ प्रदर्शन किया है। उन्होंनेआईपीएल में इस सीजन 12 मैचों में 263 रन बनाए, जिसमें 43 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा। जबकि गेंदबाज़ी में उन्होंने 12 मैचों में पांच विकेट लिए। यूएई की स्पिन मुफीद पिचों पर वह टीम के लिए अहम योगदान दे सकते हैं और वैसे भी टी20 विश्व कप के फाइनल में उनकी विराट कोहली के साथ साझेदारी को कौन भूल सकता है।